

## प्रधानमंत्री जन-धन योजना के दस वर्ष

### प्रलम्बिस् के लयिः

प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना, ओवरड्राफ्ट सुवधि, वत्तीय साक्षरता, जन धन दरशक ऐप, माइक्रो इंशयोरेंस, वत्तीय समावेशन हेतु राषट्रीय रणनीति, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY), माइक्रो यूनटिस् डेवलपमेंट एंड रफाइनेंस एजेंसी बैंक (MUDRA), डिजिटल पबलिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)

### मेन्स के लयिः

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) एवं भारतीय बैंकगि पर इसका प्रभाव, सरकारी नीतयिँ और हसतक्षेप ।

स्रोत: बजिनेस स्टैंडर्ड

### चर्चा में कयों ?

वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) का दसवाँ वर्ष है । PMJDY को दस वर्ष पूर्व 28 अगस्त, 2014 को लॉन्च कयिा गया था ।

- सरकार का लक्ष्य चालू वत्तित वर्ष 2024-25 के दौरान PMJDY के तहत 3 करोड से अधिक खाते खोलना है ।

### प्रधानमंत्री जन-धन योजना की उपलब्धयिँ कय्या हैं?

- खाता वसितारः** मार्च, 2015 में PMJDY ने 147 मलियिन खाते खोले थे, जो मार्च, 2024 में 520 मलियिन खातों तक पहुँच गया है ।
- जमा संग्रहणः** मार्च, 2015 में जमा संग्रहण 15,600 करोड रुपए था, जो मार्च, 2024 में बढ़कर 2.32 ट्रिलियन रुपए हो गया ।
  - पछिले 10 वर्षों में जमा संग्रहण 30% की चक्रवृद्धि औसत वृद्धिदर से बढ़ा है ।
  - मार्च, 2015 में औसत शेष राशि 1,065 रुपए से बढ़कर मार्च 2024 में 4,476 रुपए हो गई, जो पछिले दशक में लगभग चार गुना है ।
- बैंकगि अवसंरचना का वसितारः** जन धन दरशक (JDD) ऐप पर 1.3 मलियिन से अधिक बैंकगि टच पॉइंट मैप कयि गए हैं ।
  - जुलाई, 2023 तक JDD ऐप पर कुल 6,01,000 गाँव मैप कयि गए हैं । इनमें से कुल मैप कयि गए गाँवों में से 5,99,468 (99.7%) गाँवों में बैंकगि आउटलेट (बैंक शाखा, बैंकगि कॉर्नर, या 5 कमी के दायरे में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) की सुवधिाँ हैं ।
  - जन धन दरशक ऐप एक मोबाइल एप्लीकेशन है, जो नागरकिों को शाखाओं, ATM, बैंकगि संवाददाता (BC), IPPB आदि जैसे बैंकगि टचपॉइंट्स का पता लगाने में मदद करता है ।
- ग्रामीण-शहरी समानताः** वत्तित मंत्रालय के अनुसार, PMJDY ने कुल 53.13 करोड PMJDY खातों की उपलब्धिाँ हासलि की, जसिमें से 55.6% (29.56 करोड) जन-धन खाताधारक महलिाँ हैं और 66.6% (35.37 करोड) जन धन खाते ग्रामीण तथा अर्द्ध-शहरी क्षेत्त्रों में हैं ।
- डिजिटल भुगतान में वृद्धिः** UPI वत्तितय लेन-देन की कुल संख्या वत्तित वर्ष 2018 में 920 मलियिन से बढ़कर वत्तित वर्ष 2024 में 131.2 बलियिन हो गई है ।
  - इसी तरह पॉइंट ऑफ सेल (PoS) और ई-कॉमर्स पर RuPay कार्ड लेनदेन की कुल संख्या वत्तित वर्ष 2018 में 670 मलियिन से बढ़कर वत्तित वर्ष 2023 में 1.26 बलियिन हो गई है ।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT):** PMJDY ने 312 प्रमुख योजनाओं के माध्यम से 53 केंद्रीय सरकारी मंत्रालयों से लाभार्थयिँ को लगभग 361 बलियिन अमरीकी डॉलर सीधे हसतांतरति कयि ।
  - कोवडि-19 के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (PMGKY) के तहत PMJDY खातों ने तीन महीने (अप्रैल, मई और जून 2020) के लयि 500 रुपए प्रतिमाह के एकमुशत अनुग्रह भुगतान में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई, जसिसे 206.4 मलियिन महलिाँ खाताधारक लाभान्वति हुई ।
- ओवरड्राफ्ट (OD) खातेः** मार्च, 2024 तक ऐसे PMJDY खाताधारकों के लयि 190 करोड रुपए की स्वीकृत राशि के साथ कुल 1,17,701 ओवरड्राफ्ट सुवधिाँ खाते खोले गए हैं । इस सीमा का उपयोग 80.5% है ।
  - इसने सबसे गरीब लोगों के लयि औपचारकि वत्तितय प्रणाली से ऋण तक पहुँच सुनश्चिति की है ।
- कम शून्य शेष वाले खातेः** यद्यपि PMJDY के तहत शून्य शेष वाले खातों की अनुमति है और न्यूनतम शेष राशि बिनाए रखना अनविर्य नहीं है, फरि

भी केवल 8.4% खातों में शून्य शेष राशि है।

- **वशिव बैंक द्वारा प्रशंसा:** वशिव बैंक के अनुसार, भारत ने छह वर्षों में इतना कुछ हासिल कर लिया है जतिना वह पाँच दशकों में नहीं कर पाता।
  - **जन धन-आधार-मोबाइल (JAM) त्रिमूर्ति** ने वित्तीय समावेशन दर को वर्ष 2008 के 25% से बढ़ाकर 80% वयस्कों तक पहुँचा दिया है, यह प्रगति जिससे पूरा होने में 47 वर्षों का समय लगता, **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)** के कारण संभव हुई है।

## PMJDY क्या है?

- PMJDY एक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य कफायती तरीके से वित्तीय सेवाओं जैसे मूल बचत और जमा खाते, धन प्रेषण, ऋण, बीमा, पेंशन तक पहुँच सुनिश्चित करना है।
- इस योजना के अंतर्गत जनि व्यक्तियों के पास कोई अन्य खाता नहीं है, वे किसी भी बैंक शाखा या बज़िनेस कॉर्रेस्पॉण्डेंट (बैंक मतिर) आउटलेट में मूल बचत बैंक जमा (BSBD) खाता खोल सकते हैं।
- **वशिषताएँ:**
  - **कोई न्यूनतम शेष राशि नहीं:** PMJDY खातों में कोई न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है।
  - **निःशुल्क डेबिट कार्ड:** PMJDY खाताधारकों को निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड प्रदान किया जाता है।
  - **दुर्घटना बीमा:** 1 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर (वर्ष 2018 से खोले गए नए PMJDY खातों के लिये 2 लाख रुपए तक बढ़ाया गया) PMJDY खाताधारकों को जारी किये गए रुपे कार्ड के साथ उपलब्ध है।
  - **OD सुविधा:** पात्र खाताधारकों को 10,000 रुपए तक की ओवरड्राफ्ट (OD) सुविधा उपलब्ध है।
  - **DBT लाभ:** PMJDY खाते DBT, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY), माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रफाइनेंस एजेंसी बैंक (MUDRA) योजना के लिये पात्र हैं।
  - हालाँकि PMJDY खाते के साथ कोई अनिवार्य निःशुल्क चेक बुक सुविधा नहीं है। बैंक PMJDY खातों पर चेक बुक जारी कर सकते हैं, जिनकी कीमत हो भी सकती है और नहीं भी।

## PMJDY से जुड़ी चुनौतियाँ क्या हैं?

- **एक से अधिक खाते:** बड़े बीमा कवर, आकस्मिक मृत्यु लाभ कवर और ओवरड्राफ्ट सुविधा पाने के लालच में लोग आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि जैसे विभिन्न पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके विभिन्न बैंकों में कई खाते खोल लेते हैं।
- **बैंकों पर आर्थिक बोझ:** बहुत अधिक संख्या में ऐसे खाते जनिमें लगातार कम शेष राशि रहती है, उनके प्रबंधन में बैंकों के लिये वित्तीय समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।
- **धन शोधन:** ऐसी चर्चाएँ हैं कि गरीबों के जन धन खातों का उपयोग काले धन के संचालकों द्वारा धन शोधन में किया जाता है।
  - **वमिदरीकरण** के बाद जनधन खातों का उपयोग धन शोधन के लिये किया गया।
- **ओवरड्राफ्ट सुविधा में कमी:** OD सुविधा प्रदान करना संबंधित बैंकों का वविकाधिकार है। कई बैंक OD सुविधा देने से मना कर देते हैं, जिससे उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता।
- **अधिकार का दुरुपयोग:** कभी-कभी व्यवसाय संवाददाता (Business Correspondents- BC) अधिकार का दुरुपयोग करते हैं और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का जीवन दयनीय बना देते हैं।
  - BC उन सेवाओं के लिये अतिरिक्त शुल्क ले सकते हैं जो निःशुल्क या न्यूनतम लागत वाली मानी जाती हैं, जैसे बैंक खाते खोलना, लेन-देन की प्रक्रिया करना या ऋण प्रदान करना।
- **बैंड लोन:** यह संभावना है कि ओवरड्राफ्ट सुविधा बैंकों के लिये बैंड लोन के रूप में समाप्त हो सकती है, क्योंकि इस योजना में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि बैंक ऋण कैसे वसूल सकते हैं।
  - अतीत में अनेक ऋण माफ़ी योजनाओं के कारण लोग ऋण को मुफ्त में मलिन वाली वस्तु मानने लगे हैं।
- **वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी नरिक्षरता:** बचत, उधार, नविश और व्यय के बारे में नरिणय लेने के लिये ग्रामीण लोगों में जागरूकता, ज्ञान तथा कौशल की कमी है।
  - वित्तीय सेवा क्षेत्र की दगिगज कंपनी वीजा द्वारा कयि गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 65% भारतीयों में वित्तीय साक्षरता का अभाव है।

## आगे की राह

- **केंद्रीकृत सत्यापन प्रणाली:** बायोमेट्रिक और डिजिटल पहचान सत्यापन का उपयोग करके खातों के दोहराव को रोकने के लिये एक केंद्रीकृत प्रणाली लागू करना।
  - व्यक्तियों को एक से अधिक खाते रखने के स्थान पर एक ही खाता रखने के लिये प्रोत्साहित करना, जैसे कि बढ़े हुए लाभ या कम शुल्क।
- **वित्तीय समावेशन के लिये राष्ट्रीय रणनीति (NSFI):** वर्ष 2025-30 के लिये आगामी NSFI को लक्षित जनसंख्या के बीच सामाजिक सुरक्षा योजना की पहुँच और जागरूकता बढ़ाने हेतु PMJDY पर ज़ोर देना चाहिये।
- **सभी के लिये बीमा:** भारत को केवल खातों और शेष राशि पर ध्यान केंद्रित करने से हटकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।
  - PMJDY खाताधारकों को सूक्ष्म बीमा योजनाओं के अंतर्गत कवरेज सुनिश्चित करने के लिये प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।
  - PMJDY खाताधारकों की माइक्रो-क्रेडिट और फ्लेक्सी-आवृत्ति जमा जैसे माइक्रो नविश तक पहुँच में सुधार की आवश्यकता है।
- **OD खातों की पहुँच में वृद्धि:** ओडी खातों की पहुँच में सुधार किया जाना चाहिये ताकि PMJDY वकिस के एक अच्छे चरण के लिये उत्प्रेरक बन सके और वकिसति भारत की दशा में योगदान दे सके।
- **नए फोकस क्षेत्र:** केंद्र का मानना है कि PMJDY ने वयस्क आबादी के अधिकांश हिस्से को शामिल कर लिया है। अब हमारा ध्यान संपूर्ण वयस्क

आबादी और वयस्कता प्राप्त करने वालों को भी शामिल करने पर है।

**दृष्टिभेन्स प्रश्न:**

प्रश्न: आलोचनात्मक रूप से चर्चा कीजिये कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने भारत में वित्तीय समावेशन में किस प्रकार मदद की है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न: भारत में बैंकों द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र ऋण में नमिनलखिति को ऋण देना शामिल है: (2013)

- (a) कृषि
- (b) सूक्ष्म और लघु उद्यम
- (c) कमज़ोर वर्ग
- (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' नमिनलखिति में से कसिके लयि प्रारंभ की गई है? (2015)

- (a) गरीब लोगों को अपेक्षाकृत कम ब्याज-दर पर आवास-ऋण प्रदान करने के लयि।
- (b) पछिडे क्षेत्रों में महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को प्रोत्साहति करने के लयि।
- (c) देश में वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इंकलूजन) को प्रोत्साहति करने के लयि।
- (d) उपांतकि (मार्जनिलाइज़्ड) समुदायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लयि।

उत्तर: (c)

**??????:**

प्रश्न. प्रधानमंत्री जन धन योजना (पी.एम.जे.डी.वाई.) बैंकरहितों को संस्थागत वित्त में लाने के लयि आवश्यक है। क्या आप सहमत हैं कि इससे भारतीय समाज के गरीब तबके का वित्तीय समावेश होगा? अपने मत की पुष्टि के लयि तर्क प्रस्तुत कीजिये। (2016)

प्रश्न .भारत की संभावति वृद्धिके कई कारकों में से बचत दर सबसेअधिक प्रभावी है। क्या आप सहमत हैं? वकिस क्षमता के लयि अन्य कौन से कारक उपलब्ध हैं? (2017)